Mata Parvati Aarti Lyrics in Hindi English

Mata Parvati Aarti Lyrics in Hindi

जय पार्वती माता,
जय पार्वती माता
ब्रह्मा सनातन देवी,
शुभ फल की दाता ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

अरिकुल कंटक नासनि,
निज सेवक त्राता,
जगजननी जगदम्बा,
हरिहर गुण गाता ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

सिंह को वहान साजे,
कुंडल है साथा,
देव वधू जस गावत,
नृत्य करत ता था ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

सतयुग रूप शील अतिसुंदर,
नाम सती कहलाता,
हेमाचंल घर जन्मी,
सखियाँ संगराता ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

शुम्भ निशुम्भ विदारे,
हेमाचंल स्थाता,
सहस्त्र भुजा तनु धरिके,
चक्र लियो हाथा ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

सृष्टि रूप तुही है जननी,
शिव संग रंगराता,
नन्दी भृंगी बीन लही,
सारा जग मदमाता ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

देवन अरज करत हम,
चरण ध्यान लाता,
तेरी कृपा रहे तो,
मन नहीं भरमाता ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

मैया जी की आरती,
भक्ति भाव से जो नर गाता,
नित्य सुखी रह करके,

सुख संपत्ति पाता ।
॥ जय पार्वती माता… ॥

जय पार्वती माता,
जय पार्वती माता,
ब्रह्मा सनातन देवी,
शुभ फल की दाता ।

जय पार्वती माता,
जय पार्वती माता
ब्रह्मा सनातन देवी,
शुभ फल की दाता ।

Mata Parvati Aarti Lyrics in English

Jai Parvati Mata,
Jai Parvati Mata,
Brahma Sanatan Devi,
Shubh Phal Ki Data.
 Jai Parvati Mata…

Arikul Kantak Nasani,
Nij Sevak Traata,
Jagjanani Jagadamba,
Harihar Gun Gaata.
 Jai Parvati Mata…

Singh Ko Vahan Saaje,
Kundal Hai Saatha,
Dev Vadhu Jas Gaavat,
Nritya Karat Ta Tha.
 Jai Parvati Mata…

Satyug Roop Sheel Atisundar,
Naam Sati Kehlata,
Hemachal Ghar Janmi,
Sakhiyan Sangrata.
 Jai Parvati Mata…

Shumbh Nishumbh Vidare,
Hemachal Sthata,
Sahastra Bhuj Tanum Dharike,
Chakra Liyo Haatha.
 Jai Parvati Mata…

Srishti Roop Tuhi Hai Janani,
Shiv Sang Rangrata,
Nandi Bhringi Been Lahi,
Saara Jag Madmaata.
 Jai Parvati Mata…

Devan Arj Karat Hum,

Charan Dhyan Lata,
Teri Kripa Rahe To,
Man Nahi Bharmaata.
 Jai Parvati Mata…

Maiya Ji Ki Aarti,
Bhakti Bhav Se Jo Nar Gaata,
Nitya Sukhi Rah Kar Ke,
Sukh Sampatti Paata.
 Jai Parvati Mata…

Jai Parvati Mata,
Jai Parvati Mata,
Brahma Sanatan Devi,
Shubh Phal Ki Data.

Jai Parvati Mata,
Jai Parvati Mata,
Brahma Sanatan Devi,
Shubh Phal Ki Data.

About Mata Parvati Aarti in English

“Mata Parvati Aarti” is a devotional hymn dedicated to Goddess Parvati, the divine consort of Lord Shiva and the mother of Lord Ganesha and Lord Kartikeya. This aarti praises Goddess Parvati for her infinite strength, wisdom, and compassion, and seeks her blessings for the well-being and prosperity of her devotees.

The song begins by calling her the eternal and supreme goddess, who is the giver of auspicious results and blessings. It highlights her role as the remover of obstacles and the protector of her devotees, referring to her as the nurturing mother of the universe, Jagjanani. The aarti also praises her majestic form, adorned with symbols of power and grace, including her divine vehicle, the lion, and her radiant jewelry.

The hymn continues by describing her incarnation in different forms, including as Sati, the embodiment of purity, and as Parvati, the source of creation and destruction. It also mentions her divine power to destroy demons like Shumbh and Nishumbh. Through this aarti, devotees express their love and devotion to Goddess Parvati, seeking her divine blessings for peace, prosperity, and protection. The song serves as a prayer for spiritual growth and success in life.

About Mata Parvati Aarti in Hindi

“माता पार्वती आरती” एक भक्ति गीत है जो देवी पार्वती को समर्पित है, जो भगवान शिव की पत्नी और भगवान गणेश तथा भगवान कार्तिकेय की माता हैं। यह आरती देवी पार्वती की महिमा का बखान करती है और उनके आशीर्वाद की याचना करती है ताकि भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास हो।

आरती की शुरुआत देवी पार्वती को ब्रह्मा की सनातन देवी और शुभ फल की दात्री के रूप में संबोधित करते हुए होती है। इसमें देवी पार्वती को संसार की पालनहार, विघ्नों को दूर करने वाली और भक्तों की रक्षक के रूप में पूजा जाता है। देवी पार्वती के रूप, उनके वाहन सिंह, उनके आभूषण और उनके आशीर्वाद की महिमा का भी उल्लेख किया गया है।

आरती में देवी पार्वती के विभिन्न रूपों का वर्णन किया गया है, जैसे उनका सती रूप और पार्वती रूप, जो सृजन और संहार की देवी मानी जाती हैं। साथ ही, शुम्भ और निशुम्भ जैसे राक्षसों का वध करने की उनकी शक्ति का भी गुणगान किया गया है। यह

आरती भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति के लिए देवी पार्वती से आशीर्वाद की प्रार्थना करती है।